उत्तर प्रदेश ग्रामीण पर्यटन परियोजना

(Agri- Rural and Gange Gram Rural Tourism)

NPSS- लखनऊ - लखनऊ मण्डल

Tour and travels.FAM Trip Visit Report

ग्राम का नाम: - लखीमपुर खीरी के चयनित 9 ग्राम- **चंदन चौकी.गोबरौला.नझोटा. हिम्मत नगर बनकटी.परसिया.सिगहिया. पिपरौला. पुरैना**

जनपद का नाम :- लखीमपुर

आयोजन संस्था/विभाग:-NPSS-Lucknow

यात्रा की तिथि:-//__ 27.05.2026 से 28.05.2026

प्रतिभागियों का विवरण :-06

यात्रा का उद्देश्य :– इस FAM Trip का मुख्य उद्देश्य लखीमपुर खीरी जनपद के चयनित 9 ग्रामों में विकसित किए जा रहे ग्रामीण पर्यटन स्थलों की संभावनाओं से स्थानीय ट्रैवल एजेंसियों एवं पर्यटन हितधारकों को प्रत्यक्ष रूप से अवगत कराना, उनके साथ समन्वय स्थापित करना तथा ग्रामीण पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देकर इन ग्रामों को पर्यटन मानचित्र पर सशक्त रूप से स्थापित करना था।

1. चयनित ग्रामीण पर्यटन स्थलों की पर्यटन संभावनाओं से ट्रैवल एजेंसियों को अवगत कराना।
2. ग्रामीण पर्यटन आधारित आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देना।
3. पर्यटन हितधारकों एवं स्थानीय समुदाय के मध्य समन्वय स्थापित करना।
4. स्थानीय संस्कृति, परंपराओं, हस्तशिल्प, खान-पान एवं होम-स्टे सुविधाओं का प्रदर्शन करना।
5. चयनित गांवों को भविष्य के पर्यटन सर्किट में शामिल करने की संभावनाओं का आकलन करना।

टूर एंड ट्रैवेल्स, एजेंसी की उपस्थिति का विवरण

क्रम संख्या	नाम	एजेंसी का नाम	मोबाइल नंबर	पता
1	अजीत कुमार	श्री राम टैक्सी सर्विस	**9069808180**	
2	अमन मिश्रा	मिश्रा ट्रैवेल्स	**7860666996**	
3	अवतार सिंह	सतगुरु टूर एंड ट्रैवेल्स	**6307630847**	
4	विशाल गौतम	आशीष ट्रैवेल्स	**8924031010**	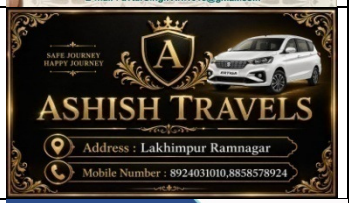
5	राम गोपाल त्रिवेदी	राम गोपाल ट्रैवेल्स	**8795581628**	

6	विकाश वर्मा	विकास ट्रैवेल्स	**9648463432**	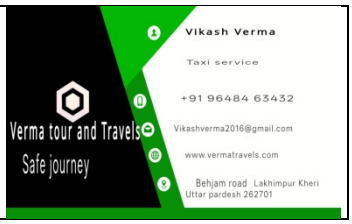

भ्रमण का विवरण :– उत्तर प्रदेश ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत एन0पी0एस0एस0-लखनऊ (NPSS-Lucknow) द्वारा जनपद लखीमपुर खीरी के चयनित 9 ग्रामों में एक FAM Trip (Familiarization Trip) का आयोजन किया गया। इस भ्रमण कार्यक्रम में लखीमपुर खीरी की प्रमुख ट्रैवल एजेंसियों, जिनमें श्री राम टैक्सी सर्विस, मिश्रा ट्रैवेल्स, सतगुरु टूर एंड ट्रैवेल्स, आशीष ट्रैवेल्स, राम गोपाल ट्रैवेल्स तथा विकास टूर एंड ट्रैवेल्स शामिल रहे, ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्देश्य चयनित ग्रामीण पर्यटन स्थलों की पर्यटन संभावनाओं से ट्रैवल ऑपरेटर्स एवं पर्यटन हितधारकों को अवगत कराना तथा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर रूरल सेक्टर एक्सपर्ट सुश्री वंदिता सचान, जिला समन्वयक श्री भूपेन्द्र सिंह तथा चयनित 9 ग्रामों के ग्राम समन्वयक उपस्थित रहे।

प्रथम दिवस :–27.05.2026

FAM Trip ki प्रमुख गतिविधियाँ

1,चन्दन चौकी में स्वागत :–उत्तर प्रदेश ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत चन्दन चौकी स्थित शांति होमस्टे में आगंतुकों एवं अतिथियों का पारंपरिक थारू संस्कृति एवं रीति-रिवाजों के अनुसार भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर 10 सदस्यीय स्थानीय टीम द्वारा ढोल-नगाड़ों की मंगल ध्वनि के बीच अतिथियों का टीका लगाकर एवं पुष्पमालाएं पहनाकर अभिनंदन किया गया। स्वागत समारोह के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध थारू सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं एवं आतिथ्य-सत्कार की उत्कृष्ट झलक प्रस्तुत की गई। पारंपरिक स्वागत की इस गरिमामयी व्यवस्था से सभी आगंतुक अत्यंत प्रभावित हुए तथा उन्हें स्थानीय संस्कृति को निकटता से जानने एवं समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

चन्दन चौकी में नाश्ता :– स्वागत समारोह के उपरांत अतिथियों को थारू समुदाय की पारंपरिक संस्कृति एवं खान-पान की झलक प्रस्तुत करते हुए स्थानीय रीति-रिवाजों के अनुसार पारंपरिक नाश्ता परोसा गया। इस दौरान मेहमानों ने स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया तथा थारू समुदाय की समृद्ध पाक परंपराओं और आतिथ्य-सत्कार का अनुभव प्राप्त किया। पारंपरिक नाश्ते ने आगंतुकों को क्षेत्रीय संस्कृति से निकटता से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

2,गोबरौला में स्वागत :– उत्तर प्रदेश ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत गोबरौला ग्राम में आगंतुकों एवं विशिष्ट अतिथियों का पारंपरिक थारू संस्कृति एवं रीति-रिवाजों के अनुसार आत्मीय, गरिमामय एवं भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मंजू चौधरी एवं मोनिका चौधरी सहित स्थानीय ग्रामीणों द्वारा ढोल-नगाड़ों की मंगलमय ध्वनि के बीच अतिथियों का तिलक लगाकर एवं पुष्पमालाएं पहनाकर अभिनंदन किया गया।स्वागत

समारोह के माध्यम से थारू समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं, लोककला तथा अतिथि सत्कार की अनूठी परंपरा का मनमोहक प्रदर्शन किया गया। पारंपरिक वेशभूषा, सांस्कृतिक रीति-रिवाजों एवं आत्मीय स्वागत ने सभी आगंतुकों का मन मोह लिया। इस सांस्कृतिक आयोजन से अतिथियों को स्थानीय संस्कृति, ग्रामीण जीवन शैली एवं थारू समाज की विशिष्ट पहचान को निकटता से जानने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने तथा स्थानीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के इस प्रयास की सराहना की।

गोबरौला में थारू हस्तशिल्प एवं सांस्कृतिक अनुभव :–ग्राम गोबरौला भ्रमण के दौरान आगंतुकों एवं अतिथियों को थारू समुदाय की पारंपरिक हस्तशिल्प कला एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया गया। इस अवसर पर मूंज एवं कांस से निर्मित विभिन्न उत्पादों, जैसे गुलदस्ता, टिपरिया, डलिया, टोकरी एवं गोल टोकरी आदि के निर्माण की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया। साथ ही जूट से निर्मित चप्पल, बैग तथा हथकरघा आधारित उत्पादों को बनते हुए भी दिखाया गया। अतिथियों ने स्थानीय कारीगरों की उत्कृष्ट शिल्पकला की सराहना की तथा विभिन्न हस्तनिर्मित उत्पादों की खरीदारी भी की।

3,नझोटा में स्वागत:–उत्तर प्रदेश ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत ग्राम नझोटा में आगंतुकों एवं अतिथियों का पारंपरिक ग्रामीण एवं स्थानीय सांस्कृतिक रीति-रिवाजों के अनुसार गर्मजोशी एवं सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों महिलाओं द्वारा अतिथियों का टीका लगाकर, पुष्पमालाएं अर्पित कर तथा पारंपरिक लोकधुनों के साथ अभिनंदन किया

गया। स्वागत समारोह के दौरान ग्राम की सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं एवं अतिथि सत्कार की उत्कृष्ट भावना का सुंदर प्रदर्शन किया गया।

इस आत्मीय स्वागत ने आगंतुकों को ग्रामीण जीवन की सादगी, सांस्कृतिक समृद्धि एवं सामुदायिक सहभागिता का अनुभव कराया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने स्थानीय समुदाय द्वारा किए गए स्वागत एवं आतिथ्य की सराहना की तथा ग्राम नझोटा की पर्यटन संभावनाओं में विशेष रुचि दिखाई।

नझोटा में ग्राम भ्रमण एवं अनुभव:

ग्राम नझोटा में ग्रामीण जीवनशैली एवं पारंपरिक आवासीय संरचनाओं का अवलोकन

ग्राम नझोटा भ्रमण के दौरान आगंतुकों एवं अतिथियों को ग्रामीण जीवनशैली एवं पारंपरिक निर्माण तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव कराया गया। इस अवसर पर मिट्टी एवं लकड़ी से निर्मित पारंपरिक ग्रामीण मकानों का अवलोकन किया गया, जिससे स्थानीय वास्तुकला एवं पर्यावरण-संवेदनशील निर्माण पद्धति की जानकारी प्राप्त हुई।

जैविक (ऑर्गेनिक) मसालों एवं ताजी सब्जियों का अवलोकन एवं क्रय अनुभव

आगंतुकों को ग्राम भ्रमण के दौरान जैविक (ऑर्गेनिक) मसालों एवं ताजी सब्जियों का अवलोकन एवं खरीदारी का अवसर प्रदान किया गया, जिससे उन्हें स्थानीय कृषि आधारित आजीविका प्रणाली एवं शुद्ध प्राकृतिक उत्पादों के महत्व की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त हुई। इस अनुभव ने ग्रामीण क्षेत्र में प्रचलित प्राकृतिक एवं रसायन-मुक्त खेती पद्धतियों की उपयोगिता एवं सतत विकास की अवधारणा को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नझोटा में पारंपरिक मत्स्य आखेट गतिविधि का अनुभव :–

भ्रमण के दौरान आगंतुकों को निकटवर्ती जल स्रोत पर पारंपरिक मत्स्य आखेट गतिविधि का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया गया, जिससे ग्रामीण पर्यटन अनुभव और अधिक रोचक एवं जीवंत बन गया। इस गतिविधि के माध्यम से अतिथियों को स्थानीय आजीविका के पारंपरिक साधनों, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की व्यवहारिक समझ प्राप्त हुई। यह अनुभव ग्राम्य जीवन की सरलता, आत्मनिर्भरता एवं पर्यावरण-संतुलित जीवनशैली को निकटता से समझने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

चन्दन चौकी में भोजन:–{ थारू थाली } स्वागत समारोह के उपरांत अतिथियों को थारू समुदाय की पारंपरिक संस्कृति एवं खान-पान की झलक प्रस्तुत करते हुए स्थानीय रीति-रिवाजों के अनुसार पारंपरिक **थारू थाली** परोसी गई।

थाली में पतौता, खड़िया, कपुआ, लिछरा, सिनकी, फुलौरी, दागी, एक पतिया साग तथा अमलरचा की सब्जी सहित विभिन्न पारंपरिक व्यंजन सम्मिलित थे। इस दौरान मेहमानों ने स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया तथा थारू समुदाय की समृद्ध पाक परंपराओं, जीवनशैली एवं आतिथ्य-सत्कार का अनुभव प्राप्त किया। पारंपरिक थारू भोजन ने आगंतुकों को क्षेत्रीय संस्कृति से निकटता से परिचित कराने के साथ-साथ स्थानीय खान-पान की विशिष्टताओं को समझने का अवसर भी प्रदान किया।

4.हिम्मत नगर में स्वागत :– उत्तर प्रदेश ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत ग्राम हिम्मत नगर में आगंतुकों एवं अतिथियों का पारंपरिक ग्रामीण रीति-रिवाजों के अनुसार गर्मजोशी एवं सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा अतिथियों का टीका लगाकर, पुष्पमालाएं अर्पित कर तथा पारंपरिक लोकधुनों के साथ अभिनंदन किया गया। स्वागत समारोह के दौरान ग्राम की सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं एवं अतिथि सत्कार की उत्कृष्ट भावना का सुंदर प्रदर्शन किया गया।इस आत्मीय स्वागत ने आगंतुकों को ग्रामीण जीवन की सादगी, सांस्कृतिक समृद्धि एवं सामुदायिक सहभागिता का अनुभव कराया। कार्यक्रम इस आत्मीय स्वागत ने आगंतुकों को ग्रामीण जीवन की सादगी, सांस्कृतिक समृद्धि एवं सामुदायिक सहभागिता का सजीव अनुभव प्रदान किया।

हिम्मत नगर में बैलगाड़ी भ्रमण :– ग्राम हिम्मत नगर में आगंतुकों एवं अतिथियों को बैलगाड़ी चालक **दरोगा** द्वारा पारंपरिक बैलगाड़ी में बैठाकर जंगल की सैर कराई गई। इस विशेष भ्रमण के दौरान मेहमानों ने ग्रामीण परिवेश, प्राकृतिक सौंदर्य तथा वन क्षेत्र की मनमोहक हरियाली का भरपूर आनंद लिया। बैलगाड़ी की धीमी और सुकूनभरी यात्रा ने उन्हें प्रकृति के और अधिक निकट आने का अवसर प्रदान किया।यह अनुभव ग्रामीण जीवन की समृद्ध परंपराओं, स्थानीय संस्कृति एवं प्रकृति के साथ सामंजस्य का सुंदर प्रतीक रहा। जंगल भ्रमण के दौरान अतिथियों ने शांति, स्वच्छ वातावरण और प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेते हुए एक अनोखा एवं अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त किया। बैलगाड़ी चालक दरोगा के सहयोग एवं आत्मीय व्यवहार ने इस यात्रा को और भी यादगार बना दिया।

ग्राम हिम्मत नगर में मक्का के भुट्टों का आनंद :–ग्राम हिम्मत नगर में आगंतुकों एवं अतिथियों का पारंपरिक ग्रामीण आतिथ्य के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर मेहमानों ने ताज़े मक्का के भुट्टों का स्वाद लिया और ग्रामीण परिवेश की सादगी एवं आत्मीयता का अनुभव किया। साथ ही उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्य, वन क्षेत्र की हरियाली तथा शांत वातावरण का आनंद लिया। यह अनुभव ग्रामीण जीवन की परंपराओं और प्रकृति के साथ उसके गहरे संबंध का प्रतीक रहा, जिसने अतिथियों को एक सुखद, अनूठा एवं यादगार अनुभव प्रदान किया।

5. बनकटी में पारंपरिक स्वागत :–उत्तर प्रदेश ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत ग्राम बनकटी में आगंतुकों एवं अतिथियों का पारंपरिक थारू संस्कृति एवं रीति-रिवाजों के अनुसार भव्य स्वागत किया गया। स्वागत समारोह के दौरान स्थानीय सांस्कृतिक दल द्वारा ढोल-नगाड़ों की मंगलमय ध्वनि के साथ अतिथियों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अतिथियों को तिलक लगाकर तथा पुष्पमालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया।

स्वागत कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध थारू सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं तथा आतिथ्य-सत्कार की उत्कृष्ट झलक प्रस्तुत की गई। पारंपरिक रीति-रिवाजों से सम्पन्न इस गरिमामयी स्वागत ने सभी आगंतुकों को अत्यंत प्रभावित किया तथा उन्हें स्थानीय संस्कृति, परंपराओं एवं जीवन शैली को निकटता से जानने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

सौम्या थारू आउटलेट, बनकटी में थारू हस्तशिल्प अनुभव :–सौम्या थारू आउटलेट, बनकटी में आगंतुकों एवं अतिथियों को थारू समुदाय की पारंपरिक हस्तशिल्प कला एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने मूंज, कांस एवं जूट से निर्मित विभिन्न हस्तशिल्प उत्पादों, जैसे टोकरी, डलिया, गुलदस्ता, चप्पल एवं बैग आदि के निर्माण कार्य का अवलोकन किया। स्थानीय कारीगरों की उत्कृष्ट शिल्पकला की सराहना करते हुए उन्होंने हस्तनिर्मित उत्पादों की खरीदारी भी की।

बनकटी में भोजन:–{ थारू थाली } स्वागत समारोह के उपरांत अतिथियों को थारू समुदाय की पारंपरिक संस्कृति एवं खान-पान की झलक प्रस्तुत करते हुए स्थानीय रीति-रिवाजों के अनुसार पारंपरिक **थारू थाली** परोसी गई। थाली में पतौता, खड़िया, कपुआ, लिछरा, सिनकी, फुलौरी, दागी, एक पतिया साग तथा अमलरचा की सब्जी सहित विभिन्न पारंपरिक व्यंजन सम्मिलित थे। इस दौरान मेहमानों ने स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया तथा थारू समुदाय की समृद्ध पाक परंपराओं, जीवनशैली एवं आतिथ्य-सत्कार का अनुभव प्राप्त किया। पारंपरिक थारू भोजन ने आगंतुकों को क्षेत्रीय संस्कृति से निकटता से परिचित कराने के साथ-साथ स्थानीय खान-पान की विशिष्टताओं को समझने का अवसर भी प्रदान किया।

द्वितीय दिवस :– 28.05.2026

Kusum Baba Temple- दर्शन वह नेपाल-भारत सीमा को जोड़ने वाले सीमा स्तम्भ का अवलोकन :– भ्रमण के दौरान अतिथियों ने कुसुम बाबा मंदिर में श्रद्धापूर्वक दर्शन किए तथा नेपाल-भारत सीमा को जोड़ने वाले सीमा स्तम्भ का अवलोकन कर दोनों देशों की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक निकटता की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर स्मृति स्वरूप फोटोग्राफी भी की गई।

6.सिंगहिया में पारंपरिक स्वागत :– उत्तर प्रदेश ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत ग्राम सिगहिया में आगंतुकों एवं अतिथियों का पारंपरिक थारू संस्कृति एवं रीति-रिवाजों के अनुसार भव्य स्वागत किया गया। स्थानीय सांस्कृतिक दल द्वारा ढोल-नगाड़ों की मंगलमय ध्वनि के साथ अतिथियों का अभिनंदन किया गया तथा तिलक लगाकर एवं कमल पुष्पमालाएँ पहनाकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर थारू समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं एवं उत्कृष्ट आतिथ्य-सत्कार की झलक प्रस्तुत की गई, जिससे आगंतुकों को स्थानीय संस्कृति और जीवनशैली को निकटता से जानने का अवसर प्राप्त हुआ।

कमल का तालाब अवलोकन :–सिंगहिया, लखीमपुर (उत्तर प्रदेश) में आने वाले अतिथियों द्वारा पास के जंगलों में भ्रमण किया गया, जहाँ प्राकृतिक सौंदर्य एवं वन्य जीवन को नजदीक से देखने का अनुभव लिया गया। इसके साथ ही पारंपरिक तरीकों से मछली पकड़ने की प्रक्रिया को समझा गया तथा उसका अनुभव भी लिया गया।

इसके अतिरिक्त, सुंदर कमल तालाब का भ्रमण किया गया, जहाँ खिले हुए कमलों के मनोहारी दृश्य का आनंद लिया गया। इस प्राकृतिक एवं ग्रामीण परिवेश ने अतिथियों को शांति, सौंदर्य और स्थानीय संस्कृति से जुड़ने का एक यादगार अनुभव प्रदान किया।

7.ग्राम परसिया में पारंपरिक थारू स्वागत :–उत्तर प्रदेश ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत ग्राम परसिया में रीता एवं रामबती द्वारा आगंतुकों एवं अतिथियों का पारंपरिक थारू संस्कृति एवं रीति-रिवाजों के अनुसार भव्य स्वागत किया गया। स्थानीय सांस्कृतिक दल द्वारा अतिथियों का अभिनंदन किया गया पहनाकर उनका सम्मान

तथा तिलक लगाकर एवं घास व पुष्पमालाएँ किया गया। इस अवसर पर थारू समुदाय की

समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं एवं उत्कृष्ट आतिथ्य-सत्कार की झलक प्रस्तुत की गई। इस स्वागत समारोह ने आगंतुकों को स्थानीय संस्कृति, परंपराओं एवं जीवनशैली को निकटता से जानने का अवसर प्रदान किया।

छिददो देवी थारू आउटलेट, परसिया में हस्तशिल्प अनुभव :–छिददो देवी थारू आउटलेट, परसिया में आगंतुकों एवं अतिथियों को थारू समुदाय की पारंपरिक हस्तशिल्प कला एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान भी उपस्थित रहे।

अतिथियों ने मूंज, कांस एवं जूट से निर्मित विभिन्न हस्तशिल्प उत्पादों, जैसे टोकरी, डलिया, गुलदस्ता, चप्पल एवं बैग आदि के निर्माण कार्य का अवलोकन किया। स्थानीय कारीगरों की उत्कृष्ट शिल्पकला की सराहना करते हुए श्री राम गोपाल जी के द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों की खरीदारी भी की।

8.ग्राम पिपरौला में पारंपरिक थारू स्वागत:–उत्तर प्रदेश ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत ग्राम पिपरौला में तारावती, कमला एवं राम-जानकी द्वारा आगंतुकों एवं अतिथियों का पारंपरिक थारू संस्कृति एवं रीति-रिवाजों के अनुसार भव्य स्वागत किया गया। स्थानीय सांस्कृतिक दल द्वारा अतिथियों का अभिनंदन किया गया तथा तिलक लगाकर, घास व पुष्पमालाएँ पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर उनका सम्मान किया गया।

इस अवसर पर थारू समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं एवं उत्कृष्ट आतिथ्य-सत्कार की झलक प्रस्तुत की गई। इस स्वागत समारोह ने आगंतुकों को स्थानीय संस्कृति, परंपराओं एवं जीवनशैली को निकटता से जानने का अवसर प्रदान किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुति :–ग्राम पिपरौला में महिला सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। इस प्रस्तुति में स्थानीय लोक परंपराओं एवं थारू संस्कृति की झलक देखने को मिली। महिला कलाकारों ने अपने आकर्षक प्रदर्शन, पारंपरिक वेशभूषा एवं मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। उपस्थित अतिथियों एवं आगंतुकों ने इस सांस्कृतिक प्रस्तुति की सराहना की और इसे अत्यंत मनोरंजक एवं प्रेरणादायक बताया।

होम स्टे का भ्रमण:–ग्राम पिपरौला में निर्मित होम स्टे का भ्रमण किया गया, जहाँ आगंतुकों एवं अतिथियों ने स्थानीय ग्रामीण जीवन एवं आतिथ्य व्यवस्था का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। इस दौरान होम स्टे में उपलब्ध सुविधाओं, पारंपरिक निर्माण शैली एवं स्वच्छता व्यवस्था का अवलोकन किया गया। आगंतुकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण पर्यटन एवं स्थानीय आजीविका को बढ़ावा देने की एक प्रभावी पहल बताया।

09.ग्राम पुरैना में पारंपरिक थारू स्वागत:– उत्तर प्रदेश ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत ग्राम पुरैना में माया, रीता, सुमन, पूर्णिमा एवं सेजल द्वारा आगंतुकों एवं अतिथियों का पारंपरिक थारू संस्कृति एवं रीति-रिवाजों के अनुरूप अत्यंत भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर स्थानीय सांस्कृतिक दल ने अतिथियों का ढोल-नगाड़ों की मंगल ध्वनि के बीच अभिनंदन किया तथा तिलक लगाकर, घास एवं पुष्पमालाएँ पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर उनका हार्दिक सम्मान किया। इस स्वागत समारोह के माध्यम से थारू समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं एवं उत्कृष्ट आतिथ्य-सत्कार की मनमोहक झलक प्रस्तुत हुई। पूरे आयोजन ने आगंतुकों को स्थानीय संस्कृति, परंपराओं एवं जीवनशैली को निकटता से समझने और अनुभव करने का एक अविस्मरणीय अवसर प्रदान किया।

ग्राम पुरैना में पारंपरिक थारू डांस :– कार्यक्रम के दौरान माया एंड पार्टी के द्वारा 10 सदस्यों की टीम ने पारंपरिक झुमरा नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। इस नृत्य में थारू संस्कृति की समृद्ध लोक परंपरा एवं ग्रामीण जीवन की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली। कलाकारों ने अपनी मनमोहक वेशभूषा, तालबद्ध नृत्य मुद्राओं एवं ढोल-नगाड़ों की धुन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वातावरण को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। उपस्थित आगंतुकों एवं अतिथियों ने इस प्रस्तुति की भरपूर सराहना की और इसे एक अविस्मरणीय अनुभव बताया।

टूर एंड ट्रैवेल्स, एजेंसी की उपस्थिति का विवरण

यात्रा से प्राप्त अनुभव /फीडबैक

इस FAM Trip के दौरान मुझे पर्यटन स्थल की विशेषताओं, उपलब्ध सुविधाओं तथा पर्यटकों की आवश्यकताओं को समझने का अवसर मिला। स्थानीय संस्कृति, पर्यटन प्रबंधन एवं आतिथ्य सेवाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ।

ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए थारू क्षेत्र समझा

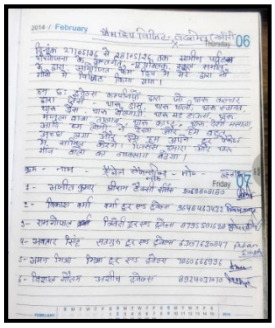

पुरैना की थारू आदिवासियों संग एग्री रुलर एंड गंगे ग्राम रुलर टूरिज्म के सदस्य • स्वयं

संसू, जागरण • चंदनचौकी : ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एग्री रुलर एंड गंगे ग्राम रुलर टूरिज्म परियोजना के तहत न्यू पब्लिक स्कूल लखनऊ द्वारा क्षेत्र का भ्रमण किया गया। टूर एंड ट्रैवल्स एजेंसी का फैम ट्रिप पूर्व चयनित ...थारू क्षेत्र के ग्रामों में पहुंचा और वहां पर पर्यटन की संभावनाओं की तलाश की। ग्राम निझौटा, चंदनचौकी, बनकटी, सिंगहिया, हिम्मतनगर, पिपरौला, पुरैना, चंदनचौकी सहित ग्राम परसिया में एजेंसी के लोगों को भ्रमण कराया गया। फैम ट्रिप के माध्यम से आदिवासी जनजाति थारु वेशभूषा, खानपान, थारु होमस्टे, जनजाति का पारंपरिक नृत्य, थारु संस्कृति से रुबरू कराया गया।

दिनांक: 27.05.2026 से 28.05.2026

नाम: __vandita sachan

Rural Sector Expert

{NPSS}-Lucknow